संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -304 गुरूवार,05 सितम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

कलम बंद कलम बंद कलम बंद कलम बंद कलम बंद कलम बंद कलम बंद कलम बंद

सरगुजा कलेक्टर किसके दबाव में कर रहे हैं काम

नियम विरूद्ध बुलडोजर कार्यवाही करवाने क्यों मजबूर हुये कलेक्टर बिलास भोसकर

पूछकर बताईये कलेक्टर सरगुजा
क्या छापें ?

अपील के अधिकार से वंचित कर कुछ घंटो में ही
क्यों उजाड़ दिया आशियाना

सरकार ने हक छीना... कलेक्टर ने अपील का अधिकार छीना...

इंकलाब होता रहेगा... इंसाफ तक... कलम बंद का 65 वां दिन

दो अनमोल रतन
एक है संजय,तो दूसरा प्रिंस

इस समय दो अनमोल रतन बने हुए हैं दोनों के ऊपर गंभीर आरोप होने के बावजूद जांच व कार्यवाही में विलंब कुछ ऐसा ही इशारा करता हैं...

संजय मरकाम,ओएसडी,स्वास्थ्य मंत्री

कौन सी खबर प्रकाशित करें...

छत्तीसगढ़ सरकार

प्रिंस जायसवाल, प्रभारी डीपीएम,सूरजपुर

आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं प्रशासनिक तंत्र में कितनी कमियां हैं यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें यह आप ही तय करें? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान का...65 वां दिन

कलम बंद...का 65 वां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

C M Y K

सरगुजा कलेक्टर को कार्यालय अधीक्षक के रहते हुए भी प्रभारी अधीक्षक पर ही भरोसा क्यों ?

कलेक्टर कार्यालय में अधीक्षक मौजूद फिर भी प्रभारी अधीक्षक से ही सरगुजा कलेक्टर क्यों ले रहे काम...

कलेक्टर सरगुजा को भ्रमित कर प्रभारी अधीक्षक ने लिया छप रही खबरों से प्रतिशोध का बदला

क्या जिला निर्वाचन के सुपरवाइजर बन गए कलेक्टर के प्रभारी अधीक्षक और अपने हिसाब से चला रहे सरगुजा कलेक्टर को...

दैनिक घटती-घटना अखबार के दफ्तर व प्रतिष्ठान की कार्यवाही में कलेक्टर कार्यालय के प्रभारी अधीक्षक की भूमिका संदिग्ध

सरगुजा कलेक्टर को सिर्फ अपने प्रभारी कार्यालय अधीक्षक पर ही है क्यों है भरोसा

-भूपेन्द्र सिंह-
अम्बिकापुर,04 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

प्रदेश में क्या हो रहा है यह सवाल इसलिए उत्पन्न हो चुका है क्योंकि जो हो रहा है वह नियम को शिथिल करके ही हो रहा है,एक मामला सामने आया है वह मामला है कलेक्टर के अधीक्षक का पूरे प्रदेश में कुल 39 अधीक्षक का पद है 33 कलेक्टर अधीक्षक व पांच कमिश्नर अधीक्षक व एक रिवेन्यू बोर्ड अधीक्षक होते हैं पर इस समय पूरे प्रदेश के 33 जिले में से 20 जिला कलेक्टर अधीक्षक से चल रहा है तो वहीं 13 जिले के कलेक्टर के अधीक्षक प्रभारी हैं,जिसमें से हम बात करें सरगुजा जिले की तो यहां तो स्थिति और भी विपरीत है यहां पर कलेक्टर अधीक्षक का पद स्वीकृत है और कलेक्टर अधीक्षक इस जिले में मौजूद है फिर भी निर्वाचन कार्यालय के सुपरवाइजर से प्रभारी अधीक्षक बने प्रमोद सिंह पर कलेक्टर सरगुजा विलास भोसकर संदीपन का भरोसा ज्यादा है,इस समय सरगुजा कलेक्टर प्रभारी कलेक्टर कार्यालय अधीक्षक प्रमोद सिंह के मार्गदर्शन में चल रहे हैं,सवाल यह भी उत्पन्न होता है कि आखिर जब कलेक्टर कार्यालय के अधीक्षक मौजूद है तो फिर प्रभारी अधीक्षक की जरूरत क्या है और वह भी उस अधीक्षक की जो इस समय दोनों जगह का काम देख रहे हैं जिला के निर्वाचन विभाग के सुपरवाइजर भी हैं और कलेक्टर सरगुजा कार्यालय के प्रभारी अधीक्षक भी और उसके साथ ही यह वह व्यक्ति हैं जिनका नाम राजमोहिनी जमीन घोटाले में भी सामने आया था पुलिस ने बयान भी लिया था उस समय यह नजूल के बाबू थे। आपको बता दें कि कलेक्टर सरगुजा के प्रभारी अधीक्षक प्रमोद सिंह किसी पहचान के मोहताज नहीं है इनकी कार्यशैली ही बड़ी अजीब है हम यदि इनके नौकरी के कार्यकाल पर नजर डालें तो प्रमोद सिंह की नौकरी संविदा में 1988 में जल संसाधन विभाग में लगी थी उसके बाद यह रेगुलर होकर सहायक ग्रेड 3 बन गए थे,फिर प्रमोशन होने के बाद सहायक ग्रेड 2 हो गए, यहां तक की 2022 में इनका स्थानांतरण बलरामपुर जिले में हुआ था पर उस समय के तत्कालीन कलेक्टर ने भारमुक्त नहीं किया,जिस वजह से वह आज भी सरगुजा में अपनी पैठ जमाए हुए हैं नजूल विभाग में रहते हुए इनका नाम राजमोहिनी जमीन घोटाले में भी सामने आया था,उस समय यह वहां के बाबू थे अचानक 2023 में जब सरगुजा के तत्कालीन कलेक्टर कुंदन कुमार की पदस्थापना हुई उस समय यह कलेक्टर अधीक्षक को हटाकर प्रभारी अधीक्षक का जगह लेने में सफल हो गए और बताया तो ये भी जाता है कि प्रभारी अधीक्षक होने की वजह से ही राजमोहिनी जमीन घोटाले में भी बचने में भी सफल हो गए। वर्तमान में भी वह सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर संदीपान के प्रभारी अधीक्षक हैं,चर्चा तो यह भी है कि कलेक्टर धृतराष्ट्र बने हुए हैं और प्रभारी अधीक्षक प्रमोद सिंह दुर्योधन,जो प्रमोद सिंह कहते हैं वही कलेक्टर साहब करते हैं चाहे क्यों ना उन्हें नियम के विरुद्ध जाना पड़े सूत्रों की माने तो दैनिक घटती-घटना कार्यालय पर हुई कार्यवाही में भी उनकी भूमिका अहम है क्योंकि कलेक्टर सरगुजा को इन्होंने दिगभ्रमित करके कार्यवाही करवाया और राजमोहिनी जमीन घोटाले मामले में छप रही खबरों का उन्होंने अखबार से बदला निकाला। अखबार समूह से बदला लेने के लिए प्रभारी अधीक्षक ने अपने कलेक्टर को खूब इस्तेमाल किया और नियम विरुद्ध तरीके से उनका कलम फसाने में खूब भूमिका निभाई। दैनिक घटती-घटना के खोजी संवाददाता इस मामले में और भी खोजबीन कर रहे हैं बहुत जल्द और भी जानकारी प्रकाशित की जाएगी।

आय से ज्यादा संपत्ति

एक सामान्य कर्मचारी होने के बावजूद करोड़ों की संपत्ति की अर्जित कैसे...? यह बड़ा सवाल प्रमोद सिंह सहायक ग्रेड 2 के कर्मचारी हैं पर यदि उनके आय की जांच की जाए तो सारी हकीकत सामने आ जाएगी कि आखिर पैसा उन्होंने कैसे कमाए राजस्व में इनकी पैठ बहुत है,वह पत्नी-बच्चे के नाम अकूत चल-अचल सम्पत्ति बना चुके हैं राजमोहिनी जमीन मामले में भी उन्होंने खूब माल अंदर किया ऐसा चर्चा आम है।

सहायक ग्रेड दो का कर्मचारी नहीं बन सकता कलेक्टर कार्यालय का अधीक्षक फिर भी कैसे बने हुए हैं प्रमोद सिंह प्रभारी अधीक्षक

विभागीय जानकारों की मानें तो कलेक्टर कार्यालय का अधीक्षक सहायक ग्रेड 2 का लिपिक नहीं हो सकता। वह उससे उच्च श्रेणी लिपिक ही बन सकता है उसके बावजूद सरगुजा कलेक्टर कार्यालय का अधीक्षक एक सहायक ग्रेड 2 लिपिक बना हुआ है। ऐसा हम नहीं नियम कहता है। अधीक्षक का पद कलेक्टर कार्यालय में राजपत्रित श्रेणी का हो जाता है और सरगुजा में इस नियम के विपरीत कार्यालय अधीक्षक की मौजूदगी के बावजूद एक सहायक ग्रेड 2 असल अधीक्षक बनकर बैठा है और असल अधीक्षक दूसरा काम देख रहा है। खुद को नियम कायदे का पक्का बताने वाले सरगुजा कलेक्टर भी इस मामले में मौन हैं और सबकुछ जानकर भी वह अनजान बने हुए हैं। वैसे लोगों का कहना है की सरगुजा कलेक्टर की कुर्सी का मोह ही गजब का है जो आता है वह फिर नियम-कायदा भूल जाता है और वही करता है जो पीछे अन्य कर गुजरे हैं।

कलेक्टर कार्यालय के प्रभारी अधीक्षक का नही जमता अन्य कर्मचारियों से

बताया जा रहा है की सरगुजा कलेक्टर कार्यालय के प्रभारी अधीक्षक का अन्य कर्मचारियों से नहीं जमता। कार्यालय के ही अन्य कर्मचारी एक तरह से उन्हें पसंद नहीं करते क्योंकि वह मनमानी करने में माहिर हैं वहीं उच्च अधिकारियों के चापलूसी में वह अन्य कर्मचारियों की कमियां गिनाने का काम करते हैं। साथ ही एक कर्मचारी ने नाम ना बताने की शर्त पर यह भी बताया कि हर विभाग से इनके द्वारा वसूली भी की जाती है,दैनिक घटती-घटना इस बात की पुष्टि नहीं करता पर इस बात पर अधिकारियों को संज्ञान लेकर अंदरूनी जांच करानी चाहिए।

बुलडोजर कार्यवाही कर संतुष्ट हुए सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर जी अब पूछ दीजिए कि क्या छापें

कलम बंद...का 65 वां दिन

कलम बंद...का 65 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,04 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय प्रधानमंत्री जी ?

कलम बंद...का 65 वां दिन

कलम बंद...का 65 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,04 सितम्बर 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

अब आप ही पूछकर बताईए कलेक्टर सरगुजा विलास भोसकर साहब...कि क्या छापें?

कलम बंद...का 65 वां दिन

?

कलम बंद...का 65 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

जिसे खोजने घर व दुकान का लगा रहे चक्कर वह मुंबई से लाइव वीडियो जारी कर ●LIVE 10 तारीख का दे रहा है समय

घरवालो को नहीं पता कहा है असफाक व उनके पिता

दुकानों में कई दिनों से लटक रहा ताला, रोजाना पैसे लेने वाले काट रहे चक्कर

पैसे लेने वालों की भीड़ नगर से लेकर गांव तक...दे रखे हैं मोटे रकम लेकिन इज्जत बचाने ओढ़े हैं ख़ामोशी का चादर

दबी जुबा से कह रहे लोग घटती-घटना के समाचार ने हमें डूबने से बचाया

क्या असफाक लोगों का लौटा पाएंगे पैसा या उन्हें मिलेगा तारीख पे तारीख?

क्या सोशल मिडिया स्टेटस से असफाक पर भरोसा बनाए रखेंगे लोग?

असफाक उल्लाह ने अपनी ही जुबानी कबूल की वह लोगों का पैसा निवेश करता था...

काफी दर्द भरा है असफाक के अंदर जो वीडियो के माध्यम से देखने को मिला

जहां बाप बेटा दोनों पैसे निवेश की बात से इंकार करते थे वहीं बेटे ने कबूला निवेश की बात

असफाक का एक वीडियो आया सामने असफाक 10 दिनों से है मुंबई में

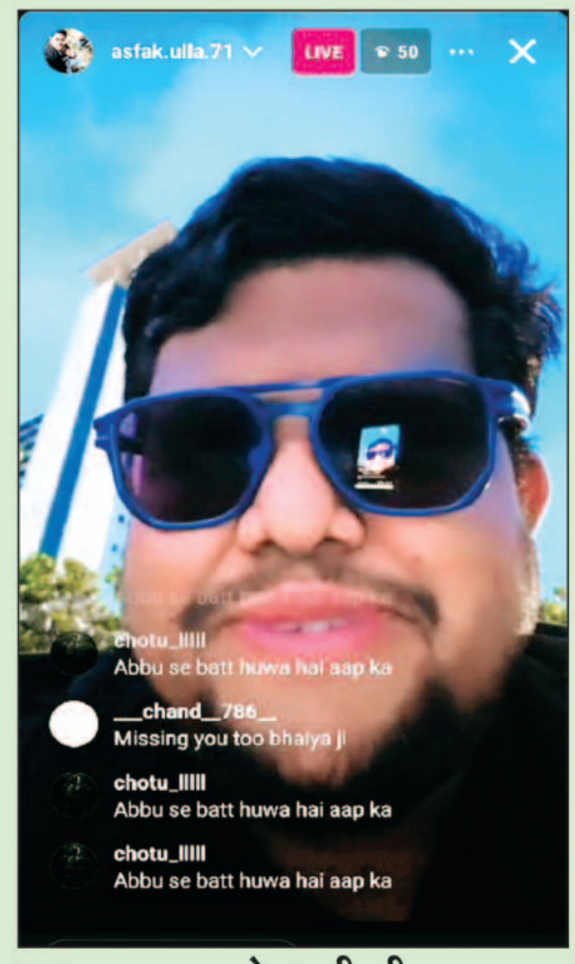

दैनिक घटती घटना की खबर पर लगी मुहर,करते थे पैसे का कोई लेन-देन खुद कबुला असफाक ने

क्या असफाक ने झूठी शिकायत की थी पत्रकार के विरुद्ध और भेजा था लीगल नोटिस?

-रवि सिंह-
सुरजपुर,04 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

सुरजपुर जिले के बसदेई पुलिस चौकी अंतर्गत आने वाले शिवप्रसाद नगर गांव का असफाक उल्लाह काफी कम समय में करोड़पति बन गया था और उसकी कहानी भी छत्तीसगढ़ के शिवा साहू जैसी थी जो पुलिस की जद में जल्द आ गया था और उसके विरुद्ध पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया था लेकिन असफाक उल्लाह के मामले में स्थानीय पुलिस ने कोई सज्ञान नहीं लिया न ही खबरों से ही कोई सीख लिया और परिणाम यह हुआ की कई लोगों का पैसा असफाक उल्लाह के पास आज डूबने की कगार पर है या यह कहें की पैसा डूब चुका है।

दैनिक घटती-घटना ने असफाक उल्लाह के चिटफंड व्यवसाय को लेकर कई बार शासन प्रशासन को यह चेताने का प्रयास किया की असफाक उल्लाह लोगों का पैसा दुगुना करने के नाम पर पैसा ले जरूर रहा है लेकिन वह एक समय आएगा जब सभी का पैसा लेकर भाग जायेगा और हुआ भी वही आज शासन-प्रशासन की लापरवाही की वजह से असफाक उल्लाह फरार है और लोग अपनी गाढ़ी कमाई जो दुगुना करने के लालच में असफाक को दिए थे वह अब वापस पाने के लिए परेशान हैं और असफाक को ढूंढ रहे हैं लेकिन असफाक फरार है लापता है।

शासन प्रशासन यदि खबरों से संज्ञान लेता तो आज यह स्थिति नहीं आती वहीं आज कम से कम लोग असफाक उल्लाह के झांसे में आते लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार लोगों की लापरवाही या कहें कुछ की मिलीभगत ने लोगो का नुकसान करा दिया वहीं जब असफाक के चिटफंड की बात दैनिक घटती-घटना प्रकाशित कर रहा था तब असफाक की ही शिकायत पर दैनिक घटती-घटना के पत्रकार को पुलिस ने नोटिस भेजकर खबर प्रकाशन का आधार पूछा और एक तरह से परेशान किया जबकि यदि पुलिस असफाक से शिकायत का आधार पूछती और उससे उसके व्यवसाय का आधार पूछती आज लोगों का पैसा सुरक्षित होता। खैर असफाक और उसके पिता ने तब जब दैनिक घटती-घटना में समाचार प्रकाशित हो रहा था उनके विरुद्ध चिटफंड का तब यह साबित करने का प्रयास किया था की वह किसी से न पैसा लेते हैं न ही उन्हें कोई पैसा देगा ही। वह जिस समुदाय से हैं उस समुदाय पर ही लोगों का विश्वास पैसे के मामले में नही रहता है यह भी उन्होंने साबित करने का बयान देकर प्रयास किया था और इसी आधार पर उन्होंने पत्रकार को कानूनी नोटिस भेजा था और परेशान किया था।

प्रशासन कैसे नहीं समझ पाया असफाक की लोगों को जल्द अमीर बनाने की तरकीब,समझकर या तो नासमझी साबित की जिम्मेदार लोगों ने

प्रशासन के संज्ञान में लगातार यह बात समाचार के माध्यम से आ रही थी की असफाक किस तरह जल्द अमीर बनता जा रहा है और विदेशी गाड़ियों सहित देशी गाड़ियों की कैसे उसके पास सीरीज इक्कठी हो रही है वहीं कैसे वह अन्य लोगों को भी अमीर बना रहा है या बनाने का दावा कर रहा है। प्रशासन यदि समाचार से संज्ञान लेता लोगों का पैसा डूबने से बच जाता लेकिन प्रशासन या जिम्मेदार लोगों ने या तो ध्यान नहीं दिया या ध्यान देकर भी अनजान बने रहे जिसके कारण लोगों का पैसा डूब गया और आज असफाक फरार है।

असफाक ने फरारी की बात अपने ही लाइव वीडियों में कबूली

अब असफाक का एक वीडियो सामने आया है जिसमे वह अपनी फरारी की बात भी कबूल रहा है और लोगों के पैसे निवेश की बात भी कबूल रहा है। वह 10 दिनों से मुंबई में है 10 तारीख को आयेगा लोगों को वह सांत्वना दे रहा है जबकि यह भी तय है की वह लोगों का पैसा डूबा चुका है और अब वह किसी तरह लोगों को यह जतलाना चाहता है की वह उनका पैसा लौटा देगा और उसका पीछा फिलहाल छोड़ दे लोग उसे कानूनी लफड़े में न फंसाए और उसके विरुद्ध कानूनी शिकायत न करें। असफाक का यह तरीका जो वीडियो कॉल का तरीका है जिसके बहाने वह लोगों की सहानुभूति लेना चाहता है कितना कारगर होगा यह तो वही जाने लेकिन वह लोगों को फिर झांसे में लेना चाहता है उन्हे शिकायत से रोकना चाहता है यह विडियो काल से तय हो गया,वैसे यह विडियो काल उनके लिए राहत की खबर लाया जिनका बहुत अधिक निवेश है उसके पास जो उसे ढूंढ रहे थे। उन्हे यह असफाक बता ले गया की वह आयेगा और सभी का पैसा लौटाएगा जो लौटा पाने में तो वह सफल नहीं होगा लेकिन वह एक तरह से अपने लिए लोगों की सहानुभूति जुटा ले गया।

निवेशको को मिस कर रहे हैं असफाक

असफाक ने अपने लाइव वीडियो के जरिए अपने निवेशकों से बात करते हुए कहा कि मै काफी परेशान था बहुत बड़ी मुसीबत थी मेरे सामने रास्ता नजर नहीं आ रहा था,रास्ता समझ नहीं आ रहा था,बहुत मिस किया आप लोगों को कई लोगों ने मेरी बुराई की,कई लोगों ने अच्छाई की, कई लोगों ने मेरे लिए दुआएं किया,सारे लोग एक जैसे तो नहीं होते मैं भी जितने लोगों का इन्वेस्टमेंट किया कराया जो भी है अचानक से ऐसा हुआ कि समझ नहीं आया कि क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए सारे लोगों का सपोर्ट रहा अच्छे से, मेरी कमबैक होने वाला है 8 तारीख से 10 तारीख तक घर आने वाला हूं सारी प्रॉब्लम सॉल्व हो जाएंगे, आप लोगों के दुआ से मेरा काम हो गया है,अच्छे से हो रहा है अभी मुंबई में हूं भाई,बड़ी प्रॉब्लम थी वापस निकल पाना मुश्किल था,मुझे 10 दिन हो गए मुंबई में काफी मिस किया लोगों को, साथ देने वाला एक समय था कि मेरे पास 10-10 लोगों थे और स्ट्रगल समय में कोई नहीं था, ऊपर वाले के रहमत कर्मो से सारा कुछ ठीक हो रहा है जब मैं यह काम शुरू किया था तो यह सोचकर नहीं किया था कि किसी को कभी नुकसान हो जाए,चाहे वह गरीब हो अमीर हो,हमारी फैमिली बैकग्राउंड कमजोर नहीं थी कि मुझे यह काम करना था या करता, ऐसे हालात बने बचपन था जो भी था उम्र मेरी ज्यादा नहीं था, काम करते गए लोग जुड़ते गए इस उम्मीद से जुड़ते गए की लोग दो पैसा कमा लें अपन यह नहीं सोचेगी कि बैकग्राउंड ऐसा कुछ हो जाएगा ऐसा मामला फसता है तो क्या होगा अचानक से ऐसा मोड़ आया काफी लोग मेरे से जुड़े हुए थे 200-300 लोग जुड़े हुए थे ऐसी प्रॉब्लम नहीं आई थी अचानक इतना बड़ा प्रॉब्लम आया है, अचानक से लोग साथ छोड़ दिए आप लोगों की दुआओं से काम हो रहा है बहुत जल्दी घर वापसी होगा। कभी यह नियत नहीं बनाई कि किसी के पैसा डूब जाए किसी का काम खराब हो जाए लेकिन थोड़ी सी प्रॉब्लम तो हुई है मेरे साथ बहुत बड़ी प्रॉब्लम आई, अच्छे दिन भी देख बुरे दिन भी देखें मेरे फैमिली को भी टॉर्चर किया गया, बड़े बुरे दिन भी बीते हैं आंखों के सामने से तो गुजरता है तो वह बहुत बुरा दिन है। पूरे बात के दौरान उन्होंने कई लोगों का नाम लिया और अपनी परेशानियों को उनसे सजा कर रहे थे अपने दुख की गाथा गा रहे थे। 10 रास्ते बंद हुए तो एक रास्ता दिखा।

मैं घबरा गया था:असफाक उल्लाह

कभी ऐसा मुश्किल काम देखा नहीं था पता नहीं चला था जब कुछ लोग कहने लगे जेल के अंदर डाल देंगे मैं एकदम से घबरा गया कुछ समझ नहीं आ रहा था मुझे लोग बोलने लगे थे, यह सब चीज असफाक ने अपने निवेशकों से बात करते हुए कहा जो अचानक हुए वीडियो वायरल में सुनने को मिला। असफाक की वायरल वीडियो काल यह साबित करती है की वह डरा हुआ है और वह डरा हुआ क्यों है यह समझा जा सकता है क्योंकि उसने चिटफंड का व्यवसाय किया है। अब वह फरार है और वीडियो काल करके लोगों को सांत्वना देने का वह प्रयास कर रहा है।

असफाक उल्लाह ने अपने ही अधिवक्ता के द्वारा दी थी गलत जानकारी, यह भी बात अंततः सत्य हो गई

असफ़ाक उल्लाह की दैनिक घटती-घटना में चिटफंड व्यवसाय की खबर लगने के बाद असफाक व उसके पिता दोनों ने एक पत्रकार को बयान दिया था कि ऐसा वह कोई ऐसा काम नहीं कर रहे हैं और किसी का पैसा उनके पास नहीं निवेश किया जाता है, अखबार में जो छप रहा है वह गलत है जिसके लिए वह पत्रकार पर कानूनी कार्यवाही करेंगे, यहां तक की अपने अधिवक्ता के माध्यम से उन्होंने मानहानि का नोटिस भी भेजा था और पत्रकार को माफी मांगने के लिए कहा था और कहा था कि असफाक पैसे के लेनदेन का काम नहीं करते हैं, उनके पास उनका खुद का प्रतिष्ठान व व्यापार है उसी को ही वह देख रहे हैं पैतृक संपत्ति भी उनके पास ठीक-ठाक है यही वजह है कि उनका रहन-सहन भी उसी के जैसा है, इस पर भी दैनिक घटती-घटना ने खबर प्रकाशित करके बताया था कि उनके क्लाइंट ने भी उन्हें गलत जानकारी दी है जिस वजह से उन्होंने पत्रकार को नोटिस भेजा है अंततः वह बात भी आज साफ हो गई जब असफाक का इंस्टाग्राम का लाइव वीडियो लोगों के मोबाइल में घूम रहा है उसमें उन्होंने खुद बोला है कि इन्वेस्टर के पैसे लगते थे और नहीं चाहते थे कि उनका पैसा डूब जाए वह भी पैसा कमाए अब यह बात जब साफ हो गई है तो क्या असफाक उल्लाह ने पत्रकार के विरुद्ध जो झूठी शिकायत की थी और अपने अधिवक्ता के माध्यम से जो नोटिस भेजा था क्या उसके लिए अब वह माफी मांगेंगे? दैनिक घटती-घटना हमेशा ही सत्यता के करीब वाली खबर को ही प्रकाशित करने का उद्देश्य रखता है यही वजह है कि खबर को प्रथम दृष्टि में संज्ञान लेने के बजाय उसपर आरोप प्रत्यारोप लगाकर पूरे मामले को गलत दिशा देने वाले के लिए अंत में अखबार की छपी खबर ही सत्य होती।

क्या मुंबई से खूब पैसा लेकर आएंगे और अपनी डर एवं परेशानी को करेंगे दूर...लोगों का पैसा भी वह लौटाएंगे?

अशफाक पूरे वीडियो में यह कहते दिखे कि उनकी परेशानियां दूर हो गई हैं 10 तारीख को आ रहे हैं और जिनकी परेशानियां हैं वह भी दूर हो जाएंगी, क्या मुंबई से वह खूब पैसा लेकर आएंगे और अपने निवेशकों को सारे पैसे लौटा देंगे आखिर ऐसा कौन सा काम कर रहे थे असफाक की पूरी तरीके से फंस गए आज उन्हें भी इस बात का एहसास हो रहा है जैसा कि वह वीडियो में बोलते हैं,उन्हें अपनी गलती का भी एहसास हुआ और अपने काम के दौरान निवेशको का पैसा लगाने की बात भी स्वीकार की।

बाप बेटे ने कभी कहा था नहीं करते किसी का पैसा निवेश,अब बेटा खुद कह रहा वह किया है लोगों का पैसा निवेश

असफाक उल्लाह के पिता सहित उसने खुद दैनिक घटती-घटना के समाचारों के बाद जो उनके चिटफंड व्यापार के लिए समाचार-पत्र में प्रकाशित किए गए थे यह साबित करने एक वीडियो संदेश जारी किया था और दैनिक घटती-घटना के समाचार को झूठा साबित करने का प्रयास किया था की वह न किसी का पैसा निवेश करते हैं और न उनका कोई ऐसा व्यापार है। अब वही असफाक उल्लाह वीडियो कॉल कर रहा है वह भी मुंबई से और अपने निवेशकों को वह सांत्वना दे रहा है की वह जल्द लौटेगा और सभी का वह पैसा लौटाएगा। असफाक उल्लाह की स्वीकारोक्ति के बाद यह स्पष्ट हो गया की दैनिक घटती-घटना सही तथ्य और सही जानकारी अनुसार समाचार का प्रकाशन कर रहा था और यदि समय पर सभी ने ध्यान दिया होता किसी का पैसा नहीं डूबता न ही असफाक के पास इतना निवेश ही पैसा होता। वैसे इस मामले में प्रशासन की सबसे बड़ी गलती है यदि वह ध्यान देता जरूर लोगों का पैसा डूबने से बच जाता।

नोट- दैनिक घटती-घटना समाचार पत्र अपने कलम बंद अभियान की वजह से सभी तरह की खबरें प्रकाशित नहीं कर पा रहा है और कलम बंद जिस वजह से हुआ है उससे ही संबंधित खबरों को ही प्रकाशन कर रहा है एवं वही प्रकाशित भी हो रही हैं, इस बीच एक महत्वपूर्ण खबर जो दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र से जुड़ी हुई है जो समाचार-पत्र की प्रतिष्ठा से भी जुड़ी हुई थी जहां किसी ने समाचार-पत्र पर उसकी खबरों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया था जिसमे एक व्यक्ति जो अवैध तरीके से पैसे को दुगना करता था को लेकर समाचार प्रकाशित किया गया था और उक्त व्यक्ति ने समाचारों का खण्डन करते हुए समाचार-पत्र के पत्रकार पर खबरों को झूठा बताकर मानहानि का नोटिस तामील कराया था पुलिस में भी शिकायत किया था इस मामले में अब नया अपडेट आया है जो प्रकाशित करना अत्यंत जरूरी है जिस वजह से इस खबर को प्रकाशित किया जा रहा है।

सम्पादक

दलीप ट्रॉफी 2024 का आगाज आज से

बेंगलुरु,04 सितम्बर 2024। दलीप ट्रॉफी 2024 की शुरुआत आज यानी गुरुवार 5 सितंबर से होने वाली है। ये रेड बॉल टूर्नामेंट दो शहरों में खेला जाएगा। दो मैच पहले ही दिन शुरू होंगे और दोनों मैच अहम होंगे, क्योंकि बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय का सिलेक्शन इन्हीं मैचों के आधार पर होगा। जो खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करेगा उनको मौका मिलने की उम्मीद है।

दलीप ट्रॉफी 2024 के मैच कर्नाटक के बेंगलुरु और आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में खेले जाने हैं। इसी टूर्नामेंट के साथ भारत के घरेलू सीजन 2024-25 की शुरुआत होगी। प्रथम श्रेणी रेड-बॉल टूर्नामेंट में चार टीमें भाग लेंगी। जिनमें इंडिया ए, इंडिया बी, इंडिया सी और इंडिया डी टीम शामिल है। ये दलीप ट्रॉफी का 61वां सीजन है और इस बार नया फॉर्मेट लागू किया गया है। इस बार महज चार टीमें टूर्नामेंट में खेलेंगी, जिनका सेलेक्शन चयन नेशनल सिलेक्शन कमिटी ने किया है।

5 सितंबर से 8 सितंबर के बीच खेले जाने वाले टूर्नामेंट के पहले मैच में टीम ए और टीम बी की भिड़ंत बेंगलुरु के एम

चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगी, जबकि टीम सी और टीम डी के बीच इसी दिन अनंतपुर के रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट स्टेडियम में मुकाबला खेला जाएगा।

राउंड रॉबिन फॉर्मेट के तहत ग्रुप फेज में हर एक टीम अन्य तीन टीमें से चार दिवसीय प्रथम श्रेणी मैच खेलेंगी। इस तरह कुल 6 मैच खेले जाएंगे। प्रत्येक टीम तीन मैच खेलेगी और टूर्नामेंट का विजेता सबसे ज्यादा अंक पाने वाले के आधार पर घोषित किया जाएगा। फाइनल इस टूर्नामेंट में नहीं होगा।

दलीप ट्रॉफी 2024 का फुल शेड्यूल

5-8 सितंबर- टीम ए वर्सेस टीम बी- एम चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु
5-8 सितंबर- टीम सी वर्सेस टीम डी- रूरल डेवलमेंट ट्रस्ट स्टेडियम, अनंतपुर
12-15 सितंबर- टीम ए वर्से टीम डी- रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट स्टेडियम, अनंतपुर
12-15 सितंबर- टीम बी वर्सेस टीम सी-एसीए एडीसीए ग्राउंड, अनंतपुर
19-22 सितंबर- टीम बी वर्सेस टीम डी-एसीए एडीसीए ग्राउंड, अनंतपुर
19-22 सितंबर- टीम ए वर्सेस टीम सी- रूरल डेवलमेंट ट्रस्ट स्टेडियम, अनंतपुर

लाइव स्ट्रीमिंग

दलीप ट्रॉपी की लाइव स्ट्रीमिंग और टेलिकास्ट आपको बहुत कम बार देखने को मिलता है। लेकिन 2024 के सीजन में ऐसा नहीं होगा। आप जियोसिनेमा पर लाइव स्ट्रीमिंग दलीप ट्रॉफी 2024 की देख पाएंगे और स्पोर्ट्स 18 नेटवर्क पर आप लाइव प्रसारण इस टूर्नामेंट का देख सकते हैं। सभी मैच भारतीय समय के अनुसार सुबह साढ़े 9 बजे से शुरू होंगे।

नाथन लियोन की डब्ल्यूटीसी फाइनल में बड़े बदलाव की मांग

» रोहित का किया सपोर्ट कहा- मेरे लिए वर्ल्ड कप की तरह

लॉर्ड्स,04 सितम्बर 2024। डब्ल्यूटीसी ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की तारीख और वेन्यू को लेकर बड़े ऐलान किया। डब्ल्यूटीसी ने बताया कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला लॉर्ड्स में 11 से 15 जून तक खेला जाएगा। इस बड़े ऐलान के बाद अब ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन का डब्ल्यूटीसी पर बड़ा बयान आया है। दरअसल, लियोन ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के नतीजे के लिए एक फाइनल मुकाबलें के बजाय तीन मैचों की सीरीज का सुझाव दिया है। लियोन ने एक तरह से रोहित शर्मा की पुरानी बात को दोहराया है। रोहित ने भी एक फाइनल की जगह तीन मैचों की सीरीज का सुझाव दिया था। बता दें, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के एक संस्करण में शीर्ष नौ टेस्ट टीमें दो साल तक प्रतिस्पर्धा करती हैं और फिर डब्ल्यूटीसी पाइंट्स टेबल में टॉप-2 टीमों के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाता है। इस चैंपियनशिप के विजेता का फैसला करने के लिए एकतरफा फाइनल पहले भी चर्चा का विषय रहा है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल पर आया बड़ा सुझाव

लियोन ने अब रोहित की बात को दोहराया है और साथ ही तीन अलग-अलग देशों में तीन मैचों की डब्ल्यूटीसी फाइनल सीरीज खेलने का सुझाव दिया है। उनके अनुसार, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत में तीन मैच खेले जा सकते हैं। ये वे देश हैं जहां अलग-अलग परिस्थितियां मौजूद हैं। लियोन ने कहा कि एक चीज जो वह देखना चाहेंगे, वो है वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल को संभावित रूप से तीन मैचों की सीरीज। यह थोड़ा बेहतर हो सकता है क्योंकि तीन मैचों की सीरीज में यह टीमों को अपना दबदबा दिखाने और 3-0 से जीतने का मौका दे सकता है।

सचिन खिलारी ने रचा इतिहास

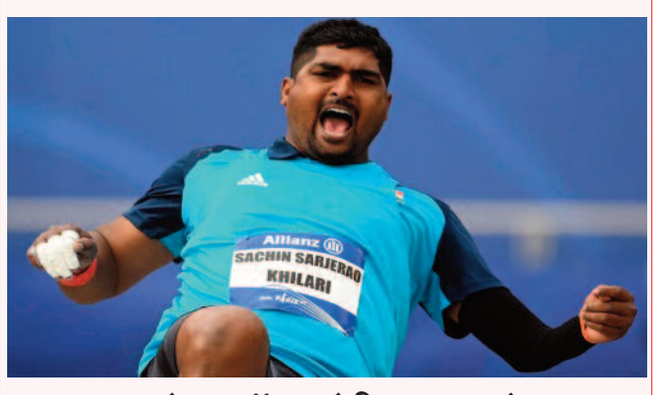

1984 के बाद शॉट पुट में दिलाया पहला मेडल

पेरिस,04 सितम्बर 2024। पेरिस पैरालंपिक में 7 वें दिन भारत के सचिन खिलारी ने पुरुषों के शॉट पुट एफ46 कैटेगिरी में सिल्वर मेडल जीत लिया है। ये आज के दिन का पहला मेडल है। इस सिल्वर मेडल जीतने के साथ ही सचिन 40 साल में पैरालंपिक शॉट-पुट मेडल जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बन गए हैं। इससे पहले 1984 में भारत को मेन्स शॉटपुट में पहला मेडल आया था। सचिन के इस मेडल के साथ ही भारत के मेडल की संख्या 21 पहुंच गई है। सचिन एशियाई रिकॉर्ड 16.32 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। कनाडा के ग्रेग स्टीवर्ट ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। क्रोएशिया के लुका बाकोविच के खाते में ब्रॉन्ज मेडल गया। सचिन ने इससे पहले वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में एशियाई रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता था।

एशियाई रिकॉर्ड तोड़ते हुए जीता मेडल

34 वर्षीय खिलारी ने अपने दूसरे प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 16.30 मीटर का अपना ही एशियाई रिकार्ड तोड़ा। उन्होंने ये रिकॉर्ड मई 2024 में जापान में हुई वर्ल्ड पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतते हुए बनाया था। खिलारी का सिल्वर मेडल मौजूदा पैरा गेम्स में पैरा-एथलेटिक्स में आया 11 वां मेडल है। एफ 46 कैटेगिरी उन एथलीटों के लिए है जिनके हाथ में कमजोरी, कमजोर मसल्स या हाथों के मूवमेंट में कमी होती है। इसमें एथलीट खड़े होकर प्रतिस्पर्धा करते हैं।

आईपीएल में नजर आएंगे राहुल द्रविड़

» राजस्थान रॉयल्स ने सौंपी ये बड़ी जिम्मेदारी?

नई दिल्ली,04 सितम्बर 2024। टीम इंडिया को अपनी कोचिंग में टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जिताने वाले राहुल द्रविड़ एक बार फिर से क्रिकेट के मैदान पर नजर आने वाले हैं। टीम इंडिया के साथ बतौर कोच उनका कार्यकाल विश्व कप के बाद ही खत्म हो गया था। इसके बाद से ही ये कयास लगाए जा रहे थे कि वे किसी आईपीएल टीम से जुड़ सकते हैं। अब इस पर मोहर लगती हुई नजर आ रही है। राहुल द्रविड़ अगले साल होने वाले आईपीएल के लिए पूरी तरह से तैयार दिख रहे हैं। वहां भी वे हेड कोच की भूमिका में दिखाई देंगे।

राहुल द्रविड़ की कोच के तौर पर राजस्थान रॉयल्स में होने वाली है एंट्री

राहुल द्रविड़ को लेकर खबर आ रही है कि वे जल्द ही आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़ सकते हैं। वे टीम हेड कोच होंगे। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के हवाले से पता चला है कि राहुल द्रविड़ और आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के बीच बात हो चुकी है। जो करीब करीब फाइनल स्टेज पर है। राजस्थान रॉयल्स की टीम चाहती है कि राहुल द्रविड़ जल्द से जल्द टीम के साथ जुड़ जाएं, ताकि ऑक्शन से पहले टीम की रणनीति पर भी विचार विमर्श किया जा सके। मजे की बात ये है कि राजस्थान रॉयल्स के मौजूदा कप्तान संजू सैमसन और राहुल द्रविड़ के रिश्ते काफी पुराने हैं। ये दोनों खिलाड़ी इससे पहले भी इस टीम के लिए काम कर चुके हैं। साथ ही संजू सैमसन जब अंडर 19 टीम के लिए खेला करते थे, तब भी राहुल द्रविड़ की उन पर नजर रहती थी। यानी ये दोनों एक दूसरे को लंबे समय से जानते हैं।

राहुल द्रविड़ के पास कोचिंग का लंबा अनुभव

राहुल द्रविड़ और राजस्थान रॉयल्स के साथ का एक लंबा इतिहास रहा है। साल 2012 और 2013 में राजस्थान की टीम आईपीएल में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में ही मैदान में उतरी थी। इसके बाद जब उन्होंने खेलना बंद किया तो साल 2014 और 2015 में वे आरआर के टीम डायरेक्टर और मेंटर की भूमिका में नजर आए। हालांकि इसी बीच एक साल के लिए 2016 में राहुल द्रविड़ दिल्ली कैपिटल्स के साथ भी जुड़े रहे। तब टीम का नाम दिल्ली डेयरडेविल्स हुआ करता था। इसके बाद राहुल द्रविड़ एनसीए के प्रमुख बन गए और आईपीएल से दूर हो गए थे। इसके बाद साल 2021 में उन्होंने टीम इंडिया के हेड कोच का पद संभाला। उनकी कोचिं में टीम इंडिया को कई बार आईसीसी टूर्नामेंट में मायूस होना पड़ा, लेकिन अपने आखिरी टूर्नामेंट में उन्होंने वो कर दिखाया, जो वे बतौर कप्तान खुद नहीं कर पाए थे। रोहित शर्मा की कप्तानी और द्रविड़ की कोचिंग में टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया।

विक्रम राठौर बन सकते हैं आरआर के बैटिंग कोच

इस बीच खबर ये भी है कि राजस्थान रॉयल्स में विक्रम राठौर की भी एंट्री हो सकती है, जो टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच की भूमिका निभा चुके हैं। राहुल द्रविड़ और विक्रम राठौर की जोड़ी इससे पहले भारतीय टीम के लिए कमाल कर चुकी है। राजस्थान को ऐसा ही आईपीएल में भी करने की उम्मीद होगी। कुमार संगकारा पहले से ही टीम के साथ जुड़े हुए थे, वो अपनी भूमिका पहले की ही तरह निभाते रहें, ऐसी संभावना जताई जा रही है। राजस्थान रॉयल्स ने साल 2008 में पहली बार आईपीएल का खिताब जीता था, तब से टीम एक भी बार आईपीएल की ट्रॉफी अपने नाम नहीं कर पाई है। अब राहुल द्रविड़ की राजस्थान रॉयल्स में क्या कुछ करिश्मा करती है, ये देखना होगा।

शाहीन अफरीदी से झगड़े को लेकर पहली बार बोले शान मसूद

रावलपिंडी पाकिस्तान के लिए 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश मेजबानी करना एक बुरे सपने की तरह रहा। बांग्लादेश ने रावलपिंडी में खेले गए पहले टेस्ट में पाकिस्तान को 10 विकेट से रौंदा और फिर दूसरे टेस्ट में 6 विकेट से मात दी। इस तरह बांग्लादेश टेस्ट क्रिकेट में पहली बार पाकिस्तान को हराने में कामयाब रही। वहीं, पाकिस्तान की घर में शर्मनाक की हार के बाद कप्तान शान मसूद के इस्तीफे की चर्चा होने लगी। हालांकि मसूद ने इस्तीफा देने की बात से इनकार किया। इसके अलावा उन्होंने सोशल मीडिया पर उनके और शाहीन अफरीदी के उस वीडियो को लेकर भी बड़ा खुलासा किया जिसमें ऐसा बताया गया कि दोनों के बीच पहले टेस्ट के मैदान पर झगड़ा हुआ।

शान मसूद की आई सफाई

दरअसल, पहले टेस्ट के दौरान शान मसूद और शाहीन अफरीदी का एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में शान मसूद गेंदबाज अफरीदी के कंधे पर हाथ रखे हुए नजर आ रहे थे। लेकिन कुछ देर बाद अफरीदी को अपने कंधे से शान मसूद का हाथ हटाते देखा गया। इस वीडियो के सामने आने के बाद अटकलें तेज हो गईं कि दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं हैं। अब इस वीडियो पर शान मसूद की सफाई आई है।

आईसीसी रैंकिंग में हुआ भयंकर उठापटक

» बाबर आजम टॉप 10 से बाहर

» स्टीव स्मिथ को हुआ जबरदस्त फायदा

यूएई,04 सितम्बर 2024। पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश टेस्ट सीरीज खत्म होने के साथ ही आईसीसी की ओर से नई रैंकिंग जारी कर दी गई है। पाकिस्तानी टीम को जिस तरह से सीरीज में बुरी तरह से हार मिली, उसी तरह से रैंकिंग में बाबर आजम भी चारोखाने चित्त हो गए हैं। लंबे अर्से बाद ऐसा हुआ है, जब बाबर आजम टेस्ट रैंकिंग में टॉप 10 से बाहर हुए हैं। हालांकि उन्हीं के साथी मोहम्मद रिजवान ने टॉप 10 में एंट्री करने में कामयाबी हासिल की है। इस बार काफी बदलाव टेस्ट रैंकिंग में दिखाई दे रहे हैं।

जो रूट आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में पहले नंबर पर, नया कीर्तिमान बनाने के करीब

आईसीसी की ओर से जारी की गई नई टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट का जलवा जारी है। वे पहले नंबर पर तो बने ही हुए हैं, साथ ही उनकी रेटिंग में भी जबरदस्त इजाफा हुआ है। उनकी रेटिंग अब बढ़कर 922 की हो गई है। जो रूट की आलटाइम हाई रैंकिंग 923 की थी, जो उन्होंने साल 2022 में हासिल की थी। अब वे उससे बस एक ही कदम दूर हैं। यानी जो रूट अब नया कीर्तिमान रचने के बेहद करीब हैं।

स्टीव स्मिथ को बिना खेले फायदा,हैरीब्रूक को हल्का सा नुकसान

टेस्ट रैंकिंग में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन की दूसरे नंबर पर जगह पक्की है। उनकी रेटिंग 859 की है। इसके बाद तीसरे स्थान पर भी न्यूजीलैंड के ही डेरिल मिचेल हैं, जिनकी रेटिंग 768 की है। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ को एक स्थान का फायदा मिला है। यानी वे अब पांचवें से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। स्मिथ ने इस बीच कोई मुकाबला तो नहीं खेला है, लेकिन इंग्लैंड के हैरी ब्रूक के लचर खेल का फायदा उन्हें मिला है। हैरीब्रूक 753 की रेटिंग के साथ अब एक स्थान के नुकसान के साथ नंबर 5 पर पहुंच गए हैं।

रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली टॉप 10 में बरकरार

भारत के तीन बल्लेबाज टेस्ट रैंकिंग में टॉप 10 में बने हुए हैं। इसमें कप्तान रोहित शर्मा 751 की रेटिंग के साथ नंबर 6 पर अपना कब्जा बनाए हुए हैं। उधर यशस्वी जायसवाल की रेटिंग 740 की है। वे नंबर सात पर बने हुए हैं। पूर्व कप्तान विराट कोहली 737 की रेटिंग के साथ नंबर आठ पर हैं। अभी इन तीनों खिलाड़ियों ने कोई भी टेस्ट मैच नहीं खेला है। इसलिए रेटिंग भी नहीं बदली है। लेकिन 19 सितंबर से जब भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज होगा तो उनकी रेटिंग में बदलाव दिखाई देगा।

मोहम्मद रिजवान टॉप 10 में,बाबर आजम सीधे 12 वें स्थान पर फिसले

ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा को भी एक स्थान का फायदा मिलता हुआ नजर आ रहा है। वे अब 728 की रेटिंग के साथ सीधे नंबर 9 पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान टॉप 10 में पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 720 की है। ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन भी उनके साथ संयुक्त रूप से नंबर 10 पर हैं। इन दोनों की रेटिंग बराबर है। बात अगर बाबर आजम की करें तो उनकी हालत तो बहुत खराब है। बाबर आजम अब 712 की रेटिंग के साथ 12वें स्थान पर खिसक गए हैं। उन्हें एक साथ तीन स्थानों का नुकसान उठाना पड़ा है। कभी बाबर आजम टॉप 3 में थे, लेकिन लगातार खराब प्रदर्शन का असर अब उनकी रेटिंग पर साफ तौर पर देखने के लिए मिल रहा है।

टीम इंडिया का ऐलान पर सेलेक्टर्स की तीखी नजर

चेन्नई ,04 सितम्बर 2024। भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज अब कुछ ही दिन दूर है। दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 19 सितंबर से होगा। पहला मुकाबला चेन्नई में होना है, वहीं दूसरा मैच कानपुर में खेला जाएगा। अब तारीख धीरे धीरे करीब आ रही है। ऐसे में इंतजार इस बात का किया जा रहा है कि बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी टीम इंडिया का ऐलान कब करेगी। इस बीच खबर है कि सेलेक्टर्स की नजर दलीप ट्रॉफी पर है, यहां खिलाड़ी जिस तरह का प्रदर्शन करेंगे, उससे वे भारतीय टीम में एंट्री की अपनी दावेदारी पेश करते हुए नजर आएंगे।

अगले सप्ताह बीसीसीआई की ओर से किया जा सकता है टीम इंडिया का ऐलान

भारतीय टीम का लंबा ब्रेक अब खत्म होने को है। पाकिस्तान को दो मुकाबलों में बुरी तरह से पीटने के बाद बांग्लादेश की टीम भारत के दौरे पर आ रही है। हालांकि अभी बांग्लादेश की टीम का ऐलान भारत दौरे के लिए नहीं किया गया है। लेकिन जिस तरह का प्रदर्शन टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ किया है, उससे उसमें बहुत ज्यादा बदलाव की संभावना नजर नहीं आती। इस बीच टीम इंडिया के ऐलान की बात की जाए तो इंडिया टीवी को बीसीसीआई के सूत्रों के हवाले से पता चला है कि अगले सप्ताह किसी भी दिन भारतीय टीम का ऐलान कर दिया जाएगा, जिसकी कप्तानी रोहित शर्मा करते हुए दिखाई देंगे।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जाएगी भारत बनाम बांग्लादेश सीरीज

भारतीय क्रिकेट टीम मार्च के बाद एक बार फिर से टेस्ट के लिए मैदान में उतरेगी। पता चला है कि सेलेक्टर्स टीम में बहुत ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं तलाश रहे हैं।

नीसा देवगन ने एयरपोर्ट पर लगा रखा था हेडफोन, फिर भी कान में फोन सटाकर करती दिखीं बात,लोग बोले-ऐसे कौन करता है

काजोल और अजय देवगन की बेटी नीसा देवगन भले फिलहाल फिल्मों मे दूर हों, लेकिन किसी न किसी वजह से सुर्खियां बटोर ही लेती हैं। खैर, इस वक्त नीसा देवगन का एक लेटेस्ट वीडियो इंटरनेट पर छाया है जिसमें वह एयरपोर्ट पर नजर आ रही हैं। नीसा देवगन एयरपोर्ट पर नजर आ रही हैं, खबर ये कि वो एक बार फिर से लोगों के निशाने पर हैं। दरअसल नीसा देवगन ने सिर पर हेडफोन भी लगा रखा है और वो अपने कान पर फोन भी लगाई दिखाई रही हैं। अब नीसा का यही अंदाज लोगों को हजम नहीं हो पा रहा है। लोग इस वीडियो पर खूब हैरान हो रहे हैं और एक ही सवाल करते दिख रहे हैं।

लोगों ने खींची टांग, कहा- हेडफोन कह रहा होगा- मैं क्या करूं, जॉब छोड़ दूं?

नीसा देवगन के इस वीडियो पर एक यूजर ने पूछा है- क्या मतलब है सिर पर हेडफोन से बात?, एक और ने कहा- हेडफोन लगाकर फोन पर कौन बात करता है यार। एक अन्य यूजर ने लिखा- लगता है नीसा भूल गई हैं कि सिर पर हेडफोन लगा रखा है। वहीं एक ने कहा- जरा एटिट्यूड तो देखो। वहीं एक ने फनी कॉमेंट करते हुए कहा- हेडफोन कह रहा होगा- मैं क्या करूं, जॉब छोड़ दूं?

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

अधिसूचना

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल में गति शक्ति यूनिट के लिये सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों से मासिक पारिश्रमिक के आधार पर नीचे बताये गये विभिन्न श्रेणियों के लिये आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। विस्तृत विवरण निम्नलिखित है:–

क्रमांक	विभाग	श्रेणी	पदों की संख्या
1	संकेत एवं दूरसंचार	व.अनु.अभि./संकेत	01
		कुल	01

अधिसूचना एवं आवेदन पत्र की जानकारी https://secr.indianrailways.gov.in में उपलब्ध है।
a (Recruitment/News/PressRelease-Recrutment-Bilaspur)
b. (Dept/Div. of SECR-Division-BILASPUR-Personnel-Notification)
1. आवेदन की अंतिम तिथि : 02–10–2024
2. उपरोक्त चयन प्रक्रिया के लिये वॉक–इन–इंटरव्यू आयोजित करने की निर्धारित तिथि दिनांक 07–10–2024 (सोमवार) को 11.00 बजे, स्थान व. मंडल कार्मिक अधिकारी/बिलासपुर के कार्यालय कक्ष में करने का निर्णय लिया गया है।
आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न करें।
1. सेवा प्रमाण पत्र 2. पेंशन पहचान पत्र, 3. पीपीओ
उपरोक्त दस्तावेज आवेदन के साथ पीडीएफ फारमेट में ई–मेल srdpo.omr@gmail.com में जमा करें।

मंडल कार्मिक अधिकारी
कृते, वरि. कार्मिक अधिकारी

सीपीआर/10/FL/230

South East Central Railway @secrail

BSP-398/24-25 D.04/09/2024

न्यायालय नायब तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

202406262600039/अ-21(2)/2023-24

-:: ईश्तहार ::-

आम जनता ग्राम नेवरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश कुमार अग्रवाल आ0टेकचंद अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी नगर सूरजपुर तहसील व जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम नेवरा स्थित भूमि ख0न0 1745, 1764/2, 1746, 1747/1, 1747/2, 1747/3, 1765, 1766, 1767, 1768, 1769/1 रकबा क्रमशः 0.37, 0.41, 0.36, 0.40, 0.12, 0.14, 0.37, 0.21, 0.25, 0.18 हे0 कुल 11 प्लाट योग रकबा 2.97 हे0 भूमि को गिफ्ट में अनावेदक बजरंग लाल अग्रवाल आ0 टेकचंद अग्रवाल जाति अग्रवाल को देना चाहता है। वाद भूमि व्यपवर्तित भूमि होने के कारण भूमि की अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सूरजपुर के समक्ष प्रस्तुत करने पर जांच की कार्यवाही हेतु आवेदन पत्र मूलतः इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस संबंध में जिस किसी को आपत्ति हो तो वह दिनांक 18.09.2024 को स्वतः अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 04/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर से जारी।

सील — नायब तहसीलदार, सूरजपुर,जिला-सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला सरगुजा(छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0- /ब-121/2023-24

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका मंजू सिन्हा पत्नी अमर कुमार सिन्हा निवासी ग्राम गोविंदपुर तहसील लटोरी जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा अधिकारग्रहिता दिलीप कुमार यादव पिता चंद्रिका प्रसाद यादव निवासी ग्राम सबाग तहसील कुसमी जिला बलरामपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम लक्ष्मीपुर स्थित खसरा नंबर 1/16 रकबा 0.020 हे0 भूमि को अनावेदक जयशंकर प्रसाद गुप्ता, राजकुमार गुप्ता व अन्य निवासी शिव मंदिर के पास तारकेश्वरपुर तहसील प्रेमनगर जिला सूरजपुर छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपए 7,55,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है,जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 25.09.2024 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 02/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार, अम्बिकापुर, सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202409020700010

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्:-2023-2024
मणीपुर प.ह.न. 00022(हे0)
पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकार-संगीता अग्रवाल
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन

-:: ईश्तहार ::-

आवेदिका संगीता अग्रवाल पति राकेश अग्रवाल निवासी ग्राम मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम मणीपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 504/18 रकबा 0.052 हे0 भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27-09-2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/09/2024 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बैज, तहसीलदार, तहसील अम्बिकापुर

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलम बंद अभियान का 65 वां दिन

छत्तीसगढ़ सरकार बुलडोजर कार्यवाही झेलने के बावजूद...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

क्या छापें कलेक्टर विलास भोसकर जी?

क्यूं न लिखें सच?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया गया जुर्म...स्पष्टीकरण देना पड़ेगा?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)